अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : द्वितीय – जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) पुण्य तत्त्व के भेद हैं -

(क) 18 (ख) 20

(ग) 14 (घ) 09 ( )

(b) झूठा कलंक लगाना कौनसा पाप है -

(क) अभ्याख्यान (ख) मृषावाद

(ग) पैशुन्य (घ) पर-परिवाद ( )

(c) पर्याप्ति कितनी होती हैं -

(क) 02 (ख) 04

(ग) 06 (घ) 08 ( )

(d) 'स्थान देना' कौनसा पुण्य है -

(क) शयन (ख) लयन

(ग) पान (घ) काय ( )

(e) भगवान पार्श्वनाथ का सातवाँ भव था -

(क) वज्रनाभ (ख) अच्युत देव

(ग) हाथी (घ) ग्रैवेयक ( )

(f) निम्न में से महापापी नहीं है -

(क) आत्मघाती (ख) कृतघ्नी

(ग) गुरू-द्रोही (घ) कृतज्ञी ( )

(g) आचार्य भगवन्त कितने गुणों के धारक होते हैं -

(क) 25 (ख) 36

(ग) 27 (घ) 12 ( )

(h) गमनागमन के दोषों का शोधन कौनसे पाठ से किया जाता है -

(क) ईर्यापथिक सूत्र (ख) लोगस्स सूत्र

(ग) आत्म-शुद्धि सूत्र (घ) णमोत्थुणं सूत्र ( )

(i) सामायिक में वचन के कितने दोष हैं -

(क) 10 (ख) 12

(ग) 08 (घ) 32 ( )

(j) णमोत्थुणं के प्रथम पाठ में किसको नमस्कार किया जाता है -

(क) आचार्य (ख) उपाध्याय

(ग) सिद्ध (घ) अरिहंत ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) घ्राणेन्द्रिय को वश में करे तो संवर। ( )

(b) श्रेयांसनाथजी का दूसरा नाम पुष्पदंत जी भी है। ( )

(c) 'जयन्त' अनुत्तर विमान के देव है। ( )

(d) संहनन 8 होते हैं। ( )

(e) 18 वाँ पापस्थान द्वेष है। ( )

(f) 'स्पर्श' 8 प्रकार के होते हैं। ( )

(g) तीर्थंकरों की स्तुति लोगस्स के पाठ से होती है। ( )

(h) आसन बार-बार बदलना चलदृष्टि दोष है। ( )

(i) सामायिक ग्रहण करेमि भंते के पाठ से की जाती है। ( )

(j) नवकार मंत्र भाव मंगल है। ( )

प्र.3 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	25 गुण	-	चारित्र	.....
(b)	योग	-	आचार्य	.....
(c)	शुक्ल	-	मेघमाली	.....
(d)	सामायिक	-	प्रणिपात सूत्र	.....
(e)	पृथ्वी	-	आगार	.....
(f)	असुरकुमार	-	आत्मा	.....
(g)	शक्रस्तव	-	विराधना	.....
(h)	पित्तमुच्छाए	-	उपाध्याय	.....
(i)	किलामिया	-	स्थावर	.....
(j)	5 आचार	-	ध्यान	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरा नाम आलोचना सूत्र है। .....

(b) मैं अशरीरी हूँ। .....

(c) मुझमें स्वभाव में रमण करने की कला है। .....

(d) मेरे उच्चारण में बायाँ घुटना खड़ा किया जाता है। .....

(e) मुझमें व्यक्ति पूजा का नहीं, गुण पूजा का निर्मल भाव है। .....

(f) मैं पांचवी लेश्या हूँ। .....

(g) मेरे निमित्त से जीव और पुद्गल गति करते हैं। .....

(h) मैं दुर्गति से बचाकर आत्मा को ऊँचा उठाता हूँ। .....

(i) मेरे 48 भेद हैं। .....

(j) मैं चौथा कर्म हूँ। .....

प्र.5 एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :- **12x2 = (24)**

(a) अरिहंत किसे कहते हैं ?

.....

(b) आवर्त्तन तीन बार क्यों किये जाते है ?

.....

(c) नवकार मंत्र में कितने पद और अक्षर होते हैं एवं नवकार मंत्र में धर्मपद कौनसा है ?

.....

(d) विमासन दोष कब लगता हैं ?

.....

(e) सामायिक के उपकरण कौन-कौनसे हैं ?

.....

(f) भगवान के नाम का जप करने से क्या होता है ?

.....

(g) प्रथम चार स्पर्श कौन-कौनसे हैं ?

.....

(h) भ. पार्श्वनाथ ने तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन कौनसे भव में किया ?

.....

(i) प्रभु पार्श्व को दीक्षा लेते समय कौनसा ज्ञान प्रकट हुआ ?

.....

(j) धर्म से प्रीत करने वाला, कर्मों का नाश करने वाला कहां का पथिक बनता है ?

.....

(k) पंचाग्नि तप कैसे किया जाता है ?

.....

(l) नव ग्रैवेयक देवों के नाम लिखिए।

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में लिखिए :- **12x3 = (36)**

(a) **अयतनापूर्वक भोजन करने से जीवों की हिंसा किन-किन कारणों से होती हैं?**

.....

.....

.....

(b) **ज्ञान प्राप्ति के बाधक कारण कौन-कौनसे हैं एवं कौनसे सूत्र के कौनसे अध्ययन से लिए गए हैं?**

.....

.....

.....

(c) **पार्श्व कुमार ने नाग का उद्धार कैसे किया ?**

.....

.....

.....

(d) **मन के प्रथम 6 दोषों को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(e) **सक्कारेमि और सम्माणेमि दोनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(f) **निर्जरा के कितने भेद होते हैं ?**

.....

.....

.....

(g) **वन्दन करने से जीव को किस गुण की प्राप्ति होती है ?**

.....

.....

.....

(h) **आत्माएँ कितने प्रकार की होती हैं ?**

.....

.....

.....

(i) **तस्स उत्तरी के पाठ का क्या प्रयोजन है ?**

.....

.....

.....

(j) **सामायिक से क्या लाभ है ?**

.....

.....

.....

रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए एवं रचयिता का नाम लिखिए।

(k) **विषय कषाय** .....

.....

..... **शान्ति कहो।**

रचयिता .....

(l) **सौतेली मां बन** .....

.....

..... **धधकते अंगार हैं।**

रचयिता .....